AS PER NEP

6

तनुश्री

हिंदी पाठ्यपुस्तक

उत्तर पुस्तिका

BESTWAY PUBLICATIONS

पाठ-1

अभ्यास

1. लिखित

   (क) प्रस्तुत कविता में 'ऊँचे उठने' का अर्थ हैं– जाति, धर्म, संप्रदाय इत्यादि संकीर्णताओं से ऊपर उठना।

   (ख) 'अगर कहीं हो स्वर्ग' अर्थात् ऐसा स्थान जहाँ पर किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया जाता ऐसा ही स्वर्ग इस धरती को भी बनाना है।

   (ग) दुनिया को एक दृष्टि से देखने के लिए कपि इसलिए कह रहा है क्योंकि इससे मानव मन व्याप्त भेदभाव की भावना समाप्त हो जाएगी।

   (घ) 'शीतल बहने' से आशय शांत और निर्मल बने रहना है।

   (ङ) परिवर्तन के समान गतिमय बनने का अर्थ है जिस तरह परिवर्तन सदैव होता है उसी प्रकार हमें भी सभी बंधनों को तोड़कर हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए। क्योंकि आगे बढ़ना ही जीवन है।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*ii*)

3. (क) पंक्तियों का भावार्थ है कि हमें नए समाज निर्माण में अपनी नई सोच को जातिध धर्म, रंग-द्ववेश आदि जैसे भेदभावों से ऊपर रहना चाहिए।

   (ख) इन पंक्तियों का भावार्थ है हमें अपने अतीत में हुई बुरी घटनाओं को छोड़कर केवल अच्छी बातों को ग्रहण करना चाहिए, क्योंकि ये अच्छी घटनाएँ ही हमारें भविष्य निर्माण में काम आएगी जबकि बुरी घटनाएँ हमें सदैव पीछे की ओर ही खीचेंगी, इनसे हमारा विकास अवरूद्ध होगा।

   (ग) इन पंक्तियों का भावार्थ है कि हमें अपनी कल्पनाओं को मूर्त रूप देते हुए अच्छाइयों को लेकर आगे बढ़ना चाहिए और अपने समाज को सभी बुराइयों से ऊपर उठाकर एक खूबसूरत समाज की रचना कर सकते हैं।

   (घ) हमें अपनी सोच व भावनाएँ सदैव अच्छी रखनी चाहिए जिससे हमारा समाज सदैव विकास की ओर बढ़ता रहेगा।

भाषा-ज्ञान

1. (क) बहाव प्रवाहशील (ख) आकाश नभ
   (ग) चक्षु अक्ष (घ) चंद्रमा चंदा
   (ङ) हवा वायु
2. (क) अनित्य (ख) वर्तमान (ग) वृष्टि (घ) विषमता
   (ङ) स्थिर (च) द्ववेश (छ) विकर्षण (ज) अपरिवर्तन

3. (क) दृष्टि (ख) शाश्वत (ग) वृष्टि (घ) विषमता
(ङ) ज्वाला (च) चाँदनी (छ) चिंतन (ज) आकर्षण

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-2

अभ्यास

1. लिखित

(क) गाँव के लोग हमेशा हरिया को नुकसान पहुँचाने में लगे रहते थे। जिससे हरिया को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा।

(ख) दूसरे गाँव जाकर हरिया आराम से जीवन व्यतीत कर रहा था। वह पहले से भी अधिक संपन्न हो गया था। उसने अपना नया मकान बनवा लिया था और बहुत से पशु खरीद लिए।

(ग) हरिया की मृत्यु का प्रमुख कारण उसका जीवन को लेकर लालच था।

(घ) कोलों के क्षेत्र में पहुँचकर हरिया ने उन्हें चाय के डिब्बे, मिठाई, कपड़े और अन्य प्रकार की वस्तुएँ भेंट कर प्रसन्न किया।

(ङ) कोलों के सरदार ने हरिया को बताया, "एक दिन में पैदल चलकर जितनी ज़मीन तुम नाप डालो, उतनी ले लो। एक दिन का मूल्य एक हजार होगा। एक शर्त और है, तुम जहाँ से चलोगे, यदि उसी दिन सूर्यास्त के पहले न लौट पाए, तो तुम्हें ज़मीन नहीं मिलेगी और तुम्हारे एक हज़ार रूपये जब्त कर लिए जाएगे। हरिया ने शर्त का पालन शर्त के अनुसार ही किया।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*) (घ) (*iii*)

3. (क) संपन्न (ख) असंतुष्ट (ग) स्वागत (घ) प्रतिदिन
(ङ) सूर्य के डूबने

भाषा-ज्ञान

1. (क) उत्साह प्रसन्नता (ख) चिह्न उद्देश्य
(ग) विश्राम राहत (घ) रवि भास्कर
(ङ) धरती धरा (च) धरा वसुन्धरा

2. (क) निराश (ख) महत्वाकांक्षी (ग) पाँच (घ) श्वेत
(ङ) अनगिनत (च) उत्साहित (छ) लालची (ज) कठोर

3. (क) हरिया को अपनी सफलता पर गर्व था।
(ख) हरिया ने एक हज़ार रूपये टोपी पर रख दिए।
(ग) हरिया ने अदालत में अर्जी दी।
(घ) हरिया अपने गाँव के लोगों से असंतुष्ट था।

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-3

अभ्यास

1. लिखित
(क) रामू और लेखक ताल पर अलग-अलग भैंस पर चढ़कर दौड़ लगाया करते और कभी भैंस की पीठ पर बैठकर सारस पक्षी को देखते।
(ख) इस कहानी में सारस के बारे में बताया गया है कि इनकी गरदन लंबी होती है और टाँगे भी लंबी और लाल है। कहते हैं, सारस आपस में बहुत अच्छे मित्र होते हैं। एक को मारा जाए तो उसका साथी हफ़्तों तक वही चक्कर काटता रहता है। कभी-कभी उदासी और गम में मर भी जाता है।
(ग) रामू और दादाजी, दोनों की राय में पशुओं और पक्षियों से हमें अच्छा व्यवहार करना चाहिए और उन्हें मारना नहीं चाहिए।
(घ) दादाजी ने ताल के बारे में बताया कि यह पानी में रहने वाले जीवों का संसार है। हरी काई, बगुले, मेंढक और सारस के बारे में भी बताया।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*ii*)

3. (क) दादाजी और लेखक
(ख) छाया को लकड़ी से छूने पर वहाँ हज़ारों छोटे-छोटे, नन्हें मेंढक जीवित हो उठे और एक दूसरे को धकियाने लगे।
(ग) दादाजी ने मेंढकों के भोजन के विषय में बताया कि ये एक-दूसरे को ही खाते हैं।

भाषा-ज्ञान

1. (क) श्रुतियाँ (ख) स्मृतियाँ (ग) बुढ़ियाँ (घ) देवताओं
   (ङ) तिथियाँ (च) पट्टियाँ (छ) चिथड़े (ज) चिड़ियाँ
2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*) (घ) (*iv*)
   (ङ) (*ii*) (च) (*iii*) (छ) (*iii*) (ज) (*ii*)
3. (क) स (ख) अ (ग) अ (घ) स
   (ङ) स (च) अ (छ) स (ज) अ

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-4

अभ्यास

1. लिखित
   (क) महाराजा रणजीत सिंह ने अपनी फ़ौज को उत्साहित करने के लिए कहा–"अटका के पार जाओ।"
   (ख) वीर पुरुष का दिल सबका दिल हो जाता है। उसका मन सबका मन हो जाता है। उसके विचार सबके विचार हो जाते हैं। उसके संकल्प सबके संकल्प हो जाते हैं। उसका बल सबका बल हो जाता है। वह सबका और सब उसके हो जाते हैं।
   (ग) कायरों की उपमा गरजने वाले बादलों से की गई है।
   (घ) "मैं फाँसी पर चढ़ जाऊँगा, पर तुम्हारा तिरस्कार तब भी कर सकता हूँ।" गुलाम कैदी ने बादशाह से ऐसा दुनिया के बादशाहों के बल की हद दिखाने के लिए कहा। प्रस्तुत कथन से गुलाम की निर्भीकता का पता चलता है।
2. (क) (*iii*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*)
3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) विश्व दुनिया (ख) सम्राट महाराज
   (ग) सैना सिपाही (घ) अश्व तुरंग

(ङ) बारिश बरसात (च) औज़ार शस्त्र

(छ) प्रकृति कायनात (ज) पर्वत पहाड़

2. (क) तिरस्कार (ख) अविकास (ग) कायरता (घ) गर्म

(ङ) सशक्त

3. (क) कारखाना (ख) पवित्रता (ग) महाराज (घ) वीरता

(ङ) चिरस्थाई (च) कसरत (छ) मूसलाधार (ज) गर्व

4. स्वयं करें।

5.

सुमन	सुपुत्र	अनजाम	अनपढ़
सम्पन्न	सम्बंध	प्रभाव	प्रकाश
सजग	सकल	निर्मल	निर्धन

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-5

अभ्यास

1. लिखित

(क) हीरा अपने महत्त्व को निम्न तर्कों से स्थापित करता है–

मुझमें से रंग-बिरंगी किरणें निकलती हैं। मुझे देखनेवालों की आँखें खुल जाती हैं। मैं बड़े-बड़े राजकाषों में कितनी रक्षा से रखा जाता हूँ। मेरे लिए पहरा-चौकी लगती है।

(ख) स्वयं करें।

(ग) 'कोयला अग्रज और हीरा अनुज' हाँ, यह कहना उचित है।

(घ) स्वयं करें।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*ii*)

3. (क) कोयला, हीरे से कह रहा है।

(ख) 'कृत्रिम रूप' देने का अर्थ है मशीनों द्वारा रूप देना।

(ग) जिसमें जैसी छाया पड़ती है वह वैसा ही बन जाता है अर्थात् गंगा गए गंगादास और जमुना गए जमुनादास।

भाषा-ज्ञान

1. भ्राता — तात; नेत्र — चक्षु
   मानव — आदमी; उजाला — रोशनी
   वानर — मर्कट; खुशी — उत्साह
2. (क) शिवालय (ख) हिम + आलय
   (ग) परोपकार (घ) गज + आनन
   (ङ) सर्वोत्तम (च) चंद्र + उदय
   (छ) शब्दार्थ (ज) रेखा + अंकित
   (झ) लघुत्तर (ञ) हर + ईश
3. (क) लौकिक (ख) दूधवाला (ग) एकता (घ) चर्चित
   (ङ) लुटेरा (च) सलौना (छ) झगड़ालू (ज) सरदार
4. स्वयं करें।
5. (क) मेरे, तू (ख) हम (ग) तुझे (घ) वह, तुझे
   (ङ) अपनी (च) वह, हम (छ) मैं, अपने, तुझे
   (ज) तेरी, अपना
6. स्वयं करें।
7. (क) वर्तमान काल (ख) वर्तमान काल
   (ग) भूतकाल (घ) वर्तमान काल
   (ङ) वर्तमान काल (च) भूतकाल

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-6

अभ्यास

1. लिखित
   (क) सानिया और सायना के स्टार बनने में माँ-बाप की अहम भूमिका रही। उन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उनके सपने को साकार करने का बीड़ा उठाया।

(ख) खेल एक कला है इसमें कोई संदेह नहीं है और जिसके संपूर्ण और कुशल ज्ञान के लिए गुरु और प्रशिक्षक का होना अनिवार्य है।

(ग) पूत के गाँव पालने में दिखाई देना–यह उक्ति इन दोनों के संदर्भ उपयुक्त है क्योंकि इन दोनों ने छोटी आयु में ही वह कर दिखाया था जो हर किसी के लिए संभव नहीं होता।

(घ) सायना ने मेलबर्न राष्ट्रमंडल खेलों (2006) में युगल वर्ग का कांस्य पदक जीता तो दो मास बाद दक्षिण कोरिया में जूनियर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में उपविजेता रही। दो वर्ष बाद खिताब भी जीता। कुछ दिन बाद मनीला में सायना ने फिलिपीन ओपन का खिताब जीतकर इतिहार रच दिया। फ़ोर स्टार वर्ग का यह टूर्नामेंट जीतनेवाली वह सबसे कम आयु की लड़की थी। इन सफलताओं से सायना ने खेलप्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया।

(ङ) सायना और सानिया द्वारा निम्न स्पर्धाओं में भाग लिया गया हैं–

सायना – इंडोनेशियाई ओपन (2009)
इंग्लैंड चैंपियनशिप
स्विय ओपन
बी. एम. डब्ल्यू सुपर सीरिज़

सानिया – एशियाई चैंपियनशिप
आस्ट्रेलियाई ओपन (2005)
ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता
लेक्सिंगटन चैलेंजर टूर्नामेंट

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*iii*)

3. (क) सायना और उसके माता-पिता की लगन सफल हुई जब उसने जूनियर और जूनियर स्पर्धाओं में योग्यता साबित की।

(ख) जूनियर चेक गणराज्य ओपना जीतना सायना की महत्त्वर्पूण सफलता रही।

(ग) एशियाई सेटेलाइट चैंपियनशिप में देश की नंबर एक महिला खिलाड़ी अपर्णा पोपट को फाइनल में हराकर एकल खिताब जीतकर सनसनी फैला दी।

भाषा-ज्ञान

1. (क) भूमि धरती (ख) पुत्री बिटिया
(ग) इंडिया हिंदुस्तान (घ) स्त्री नारी
(ङ) उन्नति तरक्की (च) गर्व अभिमान

2. (क) विद्यालय (ख) महोदय (ग) परमेश्वर (घ) पौन
(ङ) नैक (च) धर्माथ

3. (क) पुस्तक + आलय (ख) सूर्य + अस्त
(ग) सू + उक्ति (घ) अति + आचार
(ङ) स्व + आगत (च) प + आवन
(छ) रज + नीश (ज) सर्व + उदय

4. (क) गायक (ख) खिलाड़ी (ग) भारतीय (घ) हैदराबादी
(ड़) मांसाहारी

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-7

अभ्यास

1. लिखित
   (क) 'कलम आज उनकी जय बोल!' से कवि का आशय उन वीर सैनिकों से जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण गवाएँ आज हम भी उनको याद करें।
   (ख) 'छिटकाई जिसने चिनगारी' से कवि का संकेत उन व्यक्तियों की ओर है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपार कष्ट सहें और अन्य लोगों प्रेरित किया।
   (ग) 'अगणित लघु दीप' का प्रयोग कवि ने उन लोगों के लिए किया है जो देश की रक्षा करते हुए अपनों प्राणों को न्योछावर कर गए।
   (घ) कलम किसी की भी जय अपने द्वारा लिखे गए शब्दों के द्वारा बोल सकती है।
   (ङ) कविता के संदर्भ में 'प्रणति' शब्द का अर्थ प्रणाम है।
   (च) स्वय करें।
2. (क) (*i*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) पानी (ख) दुल्हा (ग) घड़ा (घ) हिस्सा
   (ङ) पुत्र (च) नम्बर (छ) मूल्य (ज) पंख
2. (क) तोल (ख) गलियाँ (ग) हँसाएँ (घ) निपटाना
   (ङ) चारा

3. (क) बुरा कर्म दंड (ख) सीमा भाषा
(ग) पानी घेरा (घ) आवाज़ समय
(ङ) ईश्वर रंग (च) आत्मा सम्मान

4. (क) पुनरुक्ति अलंकार (ख) अनुप्रास अलंकार
(ग) अनुप्रास अलंकार (घ) पुनरुक्ति अलंकार
(ङ) पुनरुक्ति अलंकार (च) पुनरुक्ति अलंकार
(छ) अनुप्रास अलंकार (ज) पुनरुक्ति अलंकार

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-8

अभ्यास

1. लिखित
(क) बहुरूपिया, वह व्यक्ति था जो रूप बदलकर प्रायः लोगों को धोखा देते थे।
(ख बहुरूपिए धोबी और डाकिए का वेश धारण करते थे।
(ग) बहुरूपिए ने साधु का वेश अपनी कला की परीक्षा लेने के लिए किया था।
(घ) बहुरूपिए ने सेठ की दौलत लेने से इसलिए मना किया क्योंकि लोगों का साधुओं से विश्वास उठ जाता।
(ङ) सेठ को बहुरुपिए की सच्चाई स्वयं बहुरुपिए से पता चली।

2. (क) (*i*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*)

3. (क) साधु (ख) डेरा (ग) सफलता (घ) साधु
(ङ) डोली

भाषा-ज्ञान

1. (क) गरीब (ख) अप्रसन्न (ग) असफलता (घ) स्वस्थ
(ङ) अपकीर्ति (च) पास (छ) गुरु (ज) प्रारंभ

2. (क) सेठानी (ख) पुजारिन (ग) साध्वी (घ) चिड़ा
(ङ) बुढ़िया (च) धोबिन

3. (क) मैं वही कल वाला महात्मा हूँ।

(ख) अब बहुत कम बहुरुपिए देखने को मिलते हैं।

(ग) सेठ बहुत अमीर था।

(घ) सेठ की पत्नी बहुत बीमार हो गई थी।

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-9

अभ्यास

1. लिखित

(क) मुंशी जी किसी घटना की जानकारी को विस्तार जोड़-जोड़कर वे तुक बैठाने की कोशिश करते कि वे किन-किन ज़रियों से अचानक और आश्चर्यजनक रूप से वहाँ घटित हुई।

(ख) बुढ़िया की गाय चोरी होने पर मुंशी ने बताया, "यह गाय जरूर रात दो बजे के करीब खोली गई है। कुछ आहट उस वक्त हुई थी, मैं तो बड़ा चौकन्ना सोता हूँ। इधर-उधर देखा पर कुछ नहीं आया। सोचा हवा होगी। उसके थोड़ी देर बाद फिर खुरखुराहट सुनाई पड़ी.... अब यह तो उस वक्त नहीं सोचा कि कोई गइया खोले जा रहा है, पर लगा मुझे ऐसा कि जैसे गाय चल रही है। यही खयाल किया कि शायद अपने थान पर उठक-बैठक मचाए है, मच्छर परेशान कर रहे होंगे...।"

(ग) मुंशी जी ने बुढ़िया की गाय चोरी के विषय थानेदार को उचित जानकारी नही दी थी। इसलिए डॉक्टर साहब ने मुंशी जी ने ऐसा कहा था।

(घ) मुंशी जी नगला में किसी अहीर के यहाँ फौज़दारी करने गए थे।

(ङ) मुंशी जी साबित करना चाहते थे कि उनसे अपनी भूल को सुधारना चाहते थे। मुंशी जी को सम्मान प्रिय था परंतु कोई उन्हें हिकारत की नजरों से देखे उन्हें जरा थी गँवारा नहीं था। वह चारित्रिक रूप से महागप्पी थे।

(च) मुंशी जी के आत्मसम्मान की बात थी इसलिए गाय खोजना जरूरी हो गया था।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*ii*)

3. (क) डंडा डाकू ने उठा लिया।

(ख) यहाँ 'मैं' लेखक के लिए आया है।

(ग) दर्शन के भीतर घुसने पर चार-छह डंडे उसे भी पड़ गए।

(घ) मुंशीजी ने अंदर देखा कि सुखलाल किसी तरह बस में नहीं आता था।

भाषा-ज्ञान

1. (क) विनाश (ख) आवश्यक (ग) किस्सा (घ) धरती

(ङ) अनुपस्थित (च) समाचार (छ) बेकार (ज) विचार

(झ) हार (ञ) गुस्सा (ट) संभावत: (ठ) विश्वास

2. (क) खराब (ख) ठंडी (ग) अयोग्यता (घ) पीछे

3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-10

अभ्यास

1. लिखित

(क) हामिद ने ऊँट और घोड़े की सवारी इसलिए नहीं की थी क्योंकि उसके पास कुल तीन पैसे थे।

(ख) हामिद ने अपने चिमटे को और खिलौनों से बेहतर इसलिए कहा क्योंकि वह टूटेगा नहीं और सालोसाल ऐसा ही बना रहेगा।

(ग) अमीना का क्रोध स्नेह में इसलिए बदल गया था क्योंकि हामिद चिमटा लेकर आया था।

(घ) हामिद ईमानदार, साहसी और मेहनती था।

(ङ) स्वयं करें।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*) (घ) (*iii*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) उपवास (ख) वस्तु (ग) हालचाल (घ) प्रतीक्षा
   (ङ) समाप्त (च) विचार (छ) मुनाफ़ा (ज) तसल्ली
2. (क) गाय (ख) धोबी (ग) घोड़ी (घ) क्षत्राणी
3. (क) (*iii*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*) (घ) (*ii*)
4. स्वयं करें।
5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-11

अभ्यास

1. लिखित
   (क) 'हींगवाला खान तो नहीं मार डाला गया' ऐसा सावित्री ने इसलिए सोचा क्योंकि खान कई महीनों से हींग देने नहीं आया था। इसी बीच होली के अवसर पर शहर में दंगे हो गए। बहुत से लोग मारे गए। मरने वालों में दो खान भी थे। इसमें खान लोगों ने बड़ा उत्पात मचाया।
   (ख) खान पैसा फिर आकर ले जाएगा खान के इस कथन से खन की सावित्री के प्रति मातृत्व की भावना झलकती है।
   (ग) सावित्री बच्चों को काली के जूलुस में इसलिए नहीं भेजना चाहती थी। क्योंकि उसे बच्चों को भेजने में डर लग रहा था।
   (घ) बच्चों के जुलूस से वापस न अपने पर सावित्री ने बच्चों की मंगल-कामना के लिए सभी देवी-देवता मना डाले।
   (ङ) 'देवी-देवता मना डाले' का अर्थ है सभी देवी-देवताओं की पूजा आराधना करना।
2. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*iii*)

भाषा-ज्ञान

1. (ख) जुलूस (ग) हिसाब (घ) फाटक (ङ) दशहरा
   (च) पुड़िया

2. (ख) बच्चे — बच्चों को (ग) पैसे — पैसों को
(घ) बेटे — बेटों को (ङ) दरवाज़े — दरवाज़े को
(च) लड़के — लड़कों को

3. स्वयं करें।

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-12

अभ्यास

1. लिखित

(क) नेहरू जी ने प्रकृति के अक्षर पहाड़, समुद्र, नदियाँ आदि को कहा है क्योंकि उनकी कहानी उनके द्वारा पढ़ी जा सकती है।

(ख) बड़ी चट्टान का खुरदरा और नुकीला पत्थर गोल और चमकीला इस प्रकार हुआ कि कई दिनों तक तो वह पहाड़ के दामन में पड़ा रहा। तब पानी आया और उसे बहाकर छोटी घाटी तक ले गया। वहाँ से एक पहाड़ी नाले ने ढकेलकर उसे एक छोटे से दरिया में पहुँचा दिया। इस छोटे दरिया में वह बड़े दरिया में पहुँचा। इस बीच वह दरिया के पेंदे में लुढ़कता रहा, उसके किनारे घिस गए और चिकना और चमकदार हो गया।

(ग) रूपी पुस्तक को पढ़ने से नेहरू जी अभिप्राय जीवन की वास्तविक सच्चाई जानने से हैं।

2. (क) (*ii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*)

3. (क) मसूरी (ख) हिंदुस्तान (ग) अदार (घ) प्रकृति

भाषा-ज्ञान

1. (क) किताब — पुस्तिका (ख) पहाड़ — गिरि
(ग) कथा — कहानी (घ) पिताश्री — बापू
(ङ) चिट्ठी — खत (च) सागर — समुंदर
(छ) प्रत्यत्न — अभ्यास (ज) वन — अरण्य

2. (क) सरल (ख) मुलायम (ग) कमज़ोर (घ)
(ङ) मूर्ख (च) प्रारंभ (छ) बड़ी (ज) निराशा
(झ) सजीव (ञ) पहले (ट) जवाब (ठ) अनादि

3. (क) शौकीन (ख) चमकीला (ग) रसीला (घ) रंगीला
(ङ) पथरीला (च) नमकीन (छ) नोकिला (ज) जहरीला

4. (क) महात्मा (ख) शब्दार्थ (ग) सूर्यादय (घ) दीपावली
(ङ) यद्यपि (च) रमेश

5. स्वयं करें।

6. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-13

अभ्यास

1. लिखित

(क) कवयित्री पूजा की कोई सी भी विधि नहीं जानती है वह सिर्फ़ स्वयं को ईश्वर को समर्पित करने आई है।

(ख) कवयित्री देव चरणों में अर्पित करने के लिए हाथों में अपनी भावनाएँ लेकर आई है।

(ग) कवयित्री कीर्तन करने से इसलिए हिचकिचाती है क्योंकि उसके स्वर में मिठास नहीं है।

(घ) कवयित्री भगवान को अपना हृदय दिखाने आई है।

2. (क) (*ii*) (ख) (*ii*) (ग) (*ii*)

3. (क) निम्न पंक्तियों से कवयित्री का भावार्थ है कि ईश्वर आपके अनेक उपासक (भक्त) हैं जो कि अलग-अलग ढंग से आते हैं। उनमें से कोई तो आपकी सेवा में बहुमूल्य भेंट विभिन्न रूपों में आपकों अर्पित करते हैं।

(ख) हे ईश्वर! मैं ऐसी गरीबनी हूँ जो पूजा के लिए कुछ भी नहीं लाई और फ़िर भी साहस कर मंदिर में पूजा करने के लिए चली आई हूँ।

(ग) कवियित्री ईश्वर से कहती है कि मैं पागल और प्रेम की प्यासी आपको अपना हृदय दिखाने आई हूँ और मेरे पास कुछ भी आपको अर्पित करने के लिए नहीं है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) भगवान देव परमेश्वर
   (ख) पुष्प सुमन कुसुम
   (ग) वीणावादनि वागेश्वरी शारदा
   (घ) पानी अमृत तोय
2. (क) कायरता (ख) खट्टा (ग) कर्कश (घ) दानव
   (ङ) भरा (च) दानी
3. स्वयं करें।
4. (क) उपासक – भक्त (ख) वाणी – बोली
   (ग) अर्पित – देना (घ) चतुर्थ – बहुमूल्य

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-14

अभ्यास

1. लिखित
   (क) असत्य के आवरण में छिपा सत्य था कि काकी भगवान राम के पास गई है।
   (ख) काकी के जाने के बाद श्यामू के मन की दशा बड़ी भावविहीन और शोकाकुल हो गई थी। वह प्रायः अकेला बैठा-बैठा शून्य मन से आकाश की ओर ताका करता था।
   (ग) स्वयं करें।
   (घ) पतंग फाड़ देने के बाद विश्वेश्वर से भोला ने कहा–'श्यामू ने यह पतंग मँगाई थीं। कहता था, इस पतंग को तानकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।
   (ङ) स्वयं करें।
2. (क) श्यामू, लोगों से (ख) काका, श्यामू
   (ग) श्यामू, भोली (घ) भोला, श्यामू
   (ङ) भोला, विश्वेश्वर

3. (क) रोना तो शांत हो गया परंतु शोक शांत ने हो सका, वह हृदय में समा गया।
   (ख) शोक (दुख) तो उसके अंतर्मन में जाकर बस गया।
   (ग) विश्वेश्वर एक पल के लिए तो भावशून्य देकर खड़े रह गए।

भाषा-ज्ञान

1. (क) अभिलाषा, तमन्ना (ख) मित्र, संगी
   (ग) कनकोवा, तिलंगी (घ) दिवस वासर
   (ङ) बाधा, विपत्ति
2. (क) बुद्धिमती (ख) दासी (ग) बहन (घ) काकी
   (ङ) बालिका
3. (क) कठिनाई (ख) दासता (ग) सच्चाई (घ) गंभीरता
   (ङ) अच्छाई (च) आर्द्रता (छ) अकेलापन (ज) उदासी
   (झ) पतली (ञ) गहराई
4. (क) ब् + उ + द् + ध् + इ
   (क) आ + द् + अ + र् + त् + ता
   (क) प् + अ + त् + अं + ग् + अ
   (क) क् + अ + र् + उ + ण् + अ
   (क) य् + अ + द् + य् + अ + प् + इ
5. स्वयं करें।
6. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-15

अभ्यास

1. लिखित
   (क) धर्मराज युधिष्ठिर परीक्षित को राज्य भाइयों सहित हिमालय की ओर चले गए थे।
   (ख) महाराज परीक्षित ने जब मृत सर्प को शृंगी के पिता के गले में डाला तो शृंगी ने क्रोधित होकर परीक्षित को शाप दिया था।

(ग) शमीक ऋषि ने अपने पुत्र शृंगी कहा, "वत्स इस अविवेक के लिए तुम्हें राजा को इतना कठोर शाप नहीं देना चाहिए था। ऋषि पुत्र होने के कारण तुम्हारा शाप मिथ्या नहीं होगा। अतः राजा परीक्षित को इसकी सूचना तत्काल दे देनी चाहिए।"

(घ) तक्षक मांत्रिक ब्राहमण कश्यप को वापस भेजने के लिए राजा परिक्षित से मिलने वाले धन से अधिक दिया जिससे वह वापस लौट गया।

(ङ) परीक्षित की मृत्यु सर्प के डँसने के कारण हुई।

2. (क) (*iii*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*) (घ) (*iii*)
3. स्वयं करें।
4. (क) पांडवों (ख) परीक्षित (ग) ऋषि (घ) कश्यप
   (ङ) मन

भाषा-ज्ञान

1. (क) विजय (ख) साँप (ग) पेड़ (घ) दुश्मन
   (ङ) बूढ़ा
2. (क) पवित्र (ख) संधि (ग) अमृत (घ) जीवित
   (ङ) सफल (च) प्रशंसा
3. (क) शत्रुओं (ख) राजाओं (ग) वृद्धों (घ) ब्राह्मणों
   (ङ) पेड़ों (च) कीड़ें
4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-16

अभ्यास

1. लिखित

(क) बच्चों ने बस्ती में कीचड़-गंदगी, कूड़ा-कचरा, कुछ बच्चे फटे पुराने कपड़े पहने हुए टूटी गेंद व लकड़ी के तख़्ता लेकर क्रिकेट खेलते हुए, कुछ लड़कियाँ अपने छोटे भाई-बहनों को खिलाते हुए, कुछ महिलाएँ चूल्हा जलाते हुए, कुछ घर की साफ़-सफ़ाई करती हुई और कुछ बूढ़ी महिलाएँ नल के पास

अपने-अपने बर्तनों के लिए नगरपालिका के पानी के आने की बाट जोह रही थीं।

(ख) सुधा सुरसती से दोस्ती करने में हिचकिचा रही थी, ये निम्नलिखित व्यवहारों से पता चलता है–

(1) स्कूल की छुट्टी के बाद बारह आते ही सुरसती ने जब सुधा को आवाज़ दी पर सुधा ने कन्नी काटने की कोशिश की।

(2) सुरसती के किताब देने पर सुधा का धन्यावाद न देना।

(ग) अस्पताल में सुरसती को सामने देखकर सुधा की आँखों में पश्चाताप और एहसान के आँसू थे।

(घ) स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) शत्रुता (ख) साफ़-सुथरी (ग) विराग (घ) परायापन
   (ङ) सफ़ाई (च) नीचा (छ) स्वार्थ (ज) शिक्षित
2. स्वयं करें।
3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-17

अभ्यास

1. लिखित

(क) त्योहार मनुष्य के जीवन में उमंग तथा उल्लास का संचार करते हैं।

(ख) दीपावली का उत्सव संदेश दोहराता है–राज्य बदल जाएँगे राजमुकुट नष्ट हो जाएँगे, बची रहेगी तो सिर्फ़ मनुष्य की सामूहिक मांगलेच्छा।

(ग) आज से हज़ारों वर्षों पहले मनुष्य ने निश्चय किया कि वह दरिद्रता की अवस्था में ही नहीं रहेगा, वह सामाजिक रूप से समृद्ध रहेगा।

(घ) पूर्णिमा हिंदी कलेंडर के अनुसार एक शुभ दिन है। इस दिन चंद्रमा पूरा दिखाई देता है।

(ङ) आज मनुष्य दीपावली के त्योहार पर लक्ष्मी जी की पूजा करते समय महाकाल की पूजा करता है।

2. (क) (*ii*) (ख) (*i*) (ग) (*i*)

3. (क) भारत (ख) उमंग, साहस (ग) काली (घ) दुर्भाग्य

भाषा-ज्ञान

1. (क) अधर्म (ख) मृत्युकाल (ग) संपन्नता (घ) अशुभ
   (ङ) कमज़ोर (च) साहस

2. (क) पर्व (ख) दिवस (ग) साल (घ) श्री
   (ङ) मानव

3. (क) पराधीन पराशार (ख) अनपढ़ अनजान
   (ग) अनुपम अनुसार (घ) प्रभाव प्रकाश
   (ङ) अत्याचार अतिसार

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-18

अभ्यास

1. लिखित

   (क) 'युवाओं के गीत' रचना में डॉ. कलाम ने नई पीढ़ी को बड़े उद्देश्य रखने का संदेश दिया।

   (ख) डॉ. कलाम के अनुसार युवाओं को बड़े सपने इसलिए देखने चाहिए क्योंकि युवा जो देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत है तथा जिसका वरिष्ठ मस्तिष्क ज्ञान से भरा है। उसके लिए छोटे उद्देश्य रखना अपराध है। उनके अनुसार पृथ्वी का सबसे शक्तिशाली संसाधन है युवाओं का तेजस्वी मस्तिष्क।

   (ग) भँवरे का उदाहरण देकर डॉ. कलाम ने युवाओं को समझाया की कि हम भी चाहें तो हर काम कर सकते हैं।

   (घ) डॉ. अब्दुल कलाम ने एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा उनको विश्वास था कि उनका सपना भारत की भावी पीढ़ी पूरा कर सकती है।

   (ङ) डॉ. कलाम के अनुसार ज्ञान के चार अंग है–सृजनशीलता, नीतिपरायणता, साहस और अंतहीन जोश व लगन।

(च) डॉ. कलाम ने सी. वी. रमन के शब्दों को प्रतिध्वनित करते हुए कहा–'जिनके अनुसार युवाओं को कभी भी निराश होकर हिम्मत नहीं खोनी चाहिए।' हमें स्वयं में जोश और विजय की लगन पैदा करनी चाहिए ताकि हम यह सिद्ध कर सकें कि "हम एक गौरवपूर्ण सभ्यता के वारिस हैं और इस ग्रह में एक सम्मानजनक स्थान पाने के हकदार है।"

2. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*) (घ) (*iii*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) अज्ञान (ख) दुखग (ग) सरल (घ) आलस
   (ङ) अशांति (च) कमज़ोर
2. (क) दिमाग (ख) विश्वास (ग) देश (घ) संसार
   (ङ) लक्कड़ (च) प्रेम
3. (क) हुए (ख) बहे (ग) जाएगा (घ) भीगा
   (ङ) डरा
4. (क) (*ii*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*) (घ) (*ii*)
   (ङ) (*ii*)

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-19

अभ्यास

1. लिखित

   (क) बाल्यकाल में रामचंद्र ठुमक-ठुमक कर चलते हैं तो उनके पैरों की पैंजानिया बजती है। चलते है गिरते हैं। गिरते-गिरते मिट्टी में अच्छे से लपट गए है। इस पर दशरथ की रानियाँ उन्हें गोद उठा लेती है और बड़े स्नेह से उनके शरीर पर लगी धुल झाड़ती है। तन-मन-धन सब वार देती है। तुलसीदास जी को रघुवर में रघुवर राम के दर्शन होते है। और वह मनोरम आनंद की प्राप्ति करते हैं।

   (ख) कृष्ण जी बहुत ही सीधे-सादे हैं। उन्हें माखन खाना बहुत पसंद है।

   (ग) स्वयं करें।

2. (क) (*ii*) (ख) (*i*) (ग) (*iii*) (घ) (*i*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) वीरांगना (ख) बुढ़िया (ग) गायिका (घ) युवती
   (ङ) बलवती (च) डिबिया (छ) बकरी (ज) पंडिताइन
   (झ) शिक्षिका (ञ) अध्यापिका

2. (क) सुरदास (ख) अदृश्य (ग) रसीला (घ) जन्मांध
   (ङ) समझ (च) निरस

3. (क) (*i*) (ख) (*i*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*)

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-20

अभ्यास

1. लिखित

   (क) प्राचीन काल में गुरुकुलों की स्थापना वनों में इसलिए की जाती थी कि प्रकृति से संबंध बना रहे।

   (ख) वन वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं अवशोषित कर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये भूमि को अधिक तत्प होने से रोकते हैं।

   (ग) वृक्षों के संवर्धन हेतु वनों के संरक्षण और वृक्षारोपण द्वारा हरीतिमा संवर्धन अत्यावश्यक है।

   (घ) वनों से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए, पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने तथा मानव जीवन को सुखी और आनंदपूर्ण बनाने के उद्देश्य से वनों के संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है।

   (ङ) पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं अवशोषित कर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते है। अतः पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाते हैं।

2. (क) (*iii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*) (घ) (*i*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) विद्यार्थियों (ख) कुरसियाँ (ग) सड़कें (घ) खिड़कियाँ
   (ङ) शाखाएँ (च) पौधे
2. (क) अस्वस्थ (ख) अनावश्यक (ग) असम्मानित (घ) दुखी
   (ङ) नवीन (च) असुरक्षित
3. (क) इति + आदि (ख) भोजन + अवधि
   (ग) परम + आवश्यक (घ) संयोग + वश
   (ङ) अति + आवश्यक (च) सर्व + अधिक
   (छ) विद्या + अर्थी (ज) अधिक + अधिक
4. (क) अशुद्ध (ख) भूक्षरण (ग) वर्षा (घ) हरा सोना
5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-21

अभ्यास

1. लिखित
   (क) मुंबई शहर का नाम इस नगर की अधिष्ठात्री देवी भुवा देवी के नाम पर पड़ा।
   (ख) मुंबई भारत की फिल्म राजधानी इसलिए कहलाती है क्योंकि यहाँ जितनी फिल्में बनती है, उनती देश के किसी अन्य नगर में नहीं बनती।
   (ग) मुंबई को उसकी तड़क-भड़क (ग्लेमर) के कारण मायानगरी कहते हैं।
   (घ) मुंबई देश के सबसे बड़े महानगरों में से एक है। एक वाणिज्य का बहुत बड़ा केंद्र है। यहाँ के बंदरगाह पर बाहरी देशों से आने वाले अधिकांश पानी के जहाज आते हैं। यहाँ के विशाल और आधुनिक हवाई अड्डे से ही विदेशों के लिए सबसे अधिक वायुयान उड़ते हैं।
   (ङ) मुंबई का स्वतंत्रता आंदोलन में पर्याप्त योगदान रहा है। कांग्रेस जिसने अंतत: महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देश को स्वतंत्रता दिलाई का प्रथम अधिकवेशन सन् 1885 में मुंबई में संपन्न हुआ।

(च) मुंबई के संबंध में ऐतिहासिक घटना है कि सन् 1897 में यहाँ भीषण प्लेग फैला जिसकी चपेट में पूना तक आ गया। तत्कालीन अंग्रेज सरकार ने इससे निबटने के लिए सख्त कदम उठाए। रोगियों को तो उसने नगर से बाहर किया ही, पूर्ण स्वथ्स व्यक्तियों को भी साधारण संदेश के आधार पर ही बाहर कर दिया गया। स्पष्टत: अंग्रेजों को अपने प्राणों का भय था और घूत वाली इस बीमारी से भयभीत होकर वे ऐसे कड़ें कदम उठा रहे थे। बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजों की क्रूरता के विरुद्ध जोरदार आंदोलन चलाया, यहाँ तक कि अपनी लोकप्रिय पत्रिका 'केसरी' में उन्होंने इसके विरुद्ध टिप्पणियाँ भी की।

अंग्रेजों ने तिलक पर मुकादमा चलाकर जेल में बंद कर दिया। इससे तिलक का राजनीतिक क्षेत्र में रुतबा बढ़ गया।

2. (क) (*i*) (ख) (*i*) (ग) (*iii*)

3. (क) मुंबा, मुंबई (ख) महानगरों (ग) नागरिकों (घ) वाणिज्यिक (ङ) मायानगरी

भाषा-ज्ञान

1. (क) देवियाँ (ख) होटलों (ग) चट्टानों (घ) दर्शक (ङ) पत्रिकाओं (च) अंग्रेजों

2. (क) महान राष्ट्र (ख) सुविधा जनक (ग) राज कुमारी (घ) बंदर गाह (ङ) माया नगरी (च) महा द्वार

3. (क) प्रमाण इत (ख) प्रधान ता (ग) सह मति (घ) सफल ता (ङ) व्यापार ई

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।